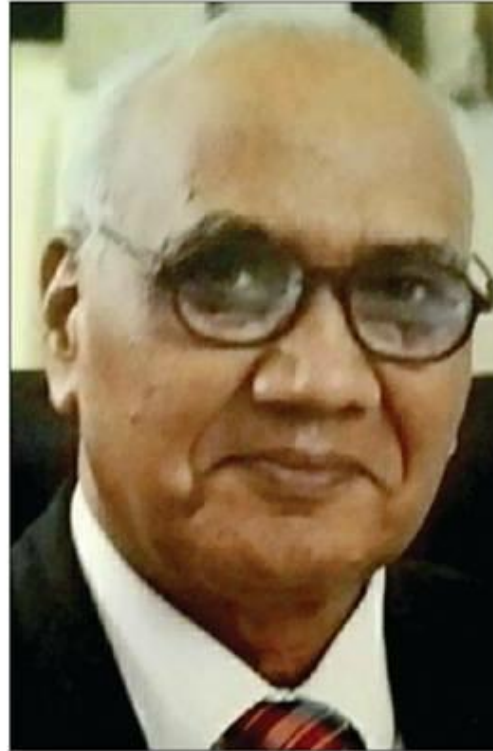




भारतीय महिला टीम ने न्यूजीलैंड को 8 विकेट से हराया

तकनीकी शिक्षा के क्षेत्र में अनोखी उपलब्धि

लखनऊ। राजधानी के शिक्षाविद तथा सहज भाव से तकनीकी क्षेत्र में अनवरत जुड़े डा. भरत राज सिंह लखनऊ शहर का एक ऐसा नाम है, जिन्होंने वर्ष 2004 से सरकारी सेवानिवृत्त के उपरांत, शोध कार्य में अनोखी पहल की। आपने पर्यावरण संरक्षण शोध के साथ प्रदेश के तकनीकी शिक्षारत छात्र-छात्राओं में नवाचार, नवपर्व रतन तथा स्टार्ट अप के प्रति अलख जगाने का विशेष कार्य किया। आज शोध कार्य की प्रदेश में जो संस्कृति पैदा हुई है या चल रही है, उसमें इनका भी बहुत बड़ा योगदान है। पिछले वर्ष अब्दुल कलाम



तकनीकी विश्वविद्यालय ने डा. सिंह को शिक्षक दिवस पर इनके द्वारा शिक्षा जगत में अद्वितीय कार्य किये जाने के लिए बेस्ट टीचर अवार्ड से भी नवाजा था। आज पुनः यह जानकर शिक्षाविदों को असीम खुशी होगी कि पिछले 6 वर्षों के शोध कार्यों के जर्नल पेपर्स की समीक्षा का कार्य इन्हें एल्सेवियर (स्कोपस) जैसे जर्नल का मिला हुआ है जिसमें इन्होंने 149 शोध पेपर्स इनेर्जी जर्नल्स तथा 12 शोध पेपर्स इनेर्जी कंवर्जन मैनेजमेंट जर्नल्स की समीक्षा की तथा इन्हें द्विवर्षीय आकलन में लगातार 2014, 2016 व 2018 में (आउटस्टैंडिंग रिव्युवर) के खिताब से नवाजा गया है। इसके अतिरिक्त इन्हें विभिन्न अंतर्राष्ट्रीय जर्नल्स यानी टेलर्स एंड फॉसिस लंदन, अमेरिकन जर्नल ऑफ फिसिक्स, यूएसए इस्टीट्यूशन ऑफ मेकनिकल इंजीनियर्स, लंदन आदि लगभग 45 जर्नल्स में भी लगभग 350 से अधिक शोधपत्रों की समीक्षा विगत 6 वर्षों में की, जो अपने में ही एक अद्वितीय रिकार्ड है। नरेंद्रपाल सिंह एडिटर-इन-चीफ वॉयस ऑफ मूवमेंट ने श्री सिंह को बधाई दी है।